GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF YOUTH AFFAIRS AND SPORTS
(DEPARTMENT OF SPORTS)
RAJYA SABHA
STARRED QUESTION NO. *198
ANSWERED ON 04/08/2022

NATIONAL COACHING SCHEME OF SAI

*198 SHRI TIRUCHI SIVA:

Will the Minister of YOUTH AFFAIRS AND SPORTS be pleased to state:

(a) whether the Sports Authority of India is going to increase the number of coaches in different sports;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether the implementation of National Coaching Scheme of the Sports Authority of India (SAI) has increased the number of coaches in various sports categories in the country;

(d) if so, the details thereof and if not, the reasons therefor; and

(e) the steps taken/proposed to be taken by Government to tap the unidentified potential in sports in rural areas?

ANSWER

THE MINISTER OF YOUTH AFFAIRS AND SPORTS

(SHRI ANURAG SINGH THAKUR)

(a) to (e): A Statement is laid on the Table of the House.

*****

STATEMENT REFERRED TO IN REPLY TO PARTS (a) TO (e) OF THE RAJYA SABHA STARRED QUESTION NO. 198 FOR 04.08.2022 REGARDING "NATIONAL COACHING SCHEME OF SAI" ASKED BY SHRI TIRUCHI SIVA, HON'BLE MP.

(a) and (b) 'Sports' being a State subject, the responsibility for promotion/development of sports, including coaching and creation of sports infrastructure, primarily rests with the respective State/UT Governments. The Central Government supplements their efforts through its various schemes, viz. Khelo India Scheme and sports promotional schemes run by the Sports Authority of India (SAI).

SAI has a fixed sanctioned strength of 1524 in the coaching cadre. Coaches are appointed/ recruited discipline-wise as per the requirement. At present, 966 coaches are working in SAI and in addition to this, 319 coaches have been recruited on contract basis and 101 coaches on deputation basis in various sports disciplines.

Further, under the component for Khelo India Centre (KIC) of the Khelo India Scheme, 'Past Champion Athletes' are engaged as coaches and mentors for young and budding athletes. At present, 102 Past Champion Athletes are engaged in 91 Khelo India Centres across the country.

(c) & (d) No such scheme is being implemented by SAI.

(e) A total of 23 SAI Centres have been upgraded as National Centres of Excellence (NCOEs) across the country to impart specialized training to promising athletes in 13 priority disciplines and 10 additional disciplines by providing state-of-the-art infrastructure, playing facilities, sports science backup, individualized diet and overall supervision under the best coaches, qualified support staff and High Performance Directors to achieve excellence in Olympics and other International Events. The SAI Training Centres (STCs) act as feeder centres to the NCOEs.

A total of 189 Centres, including NCOEs, STCs, Extension Centres of STCs, National Sports Talent Contest (NSTC) Scheme, etc. are functional for implementation of the sports promotional schemes of SAI.

The sportspersons identified under the SAI Sports Promotional Schemes belong to all sections of society, including from rural, backward, tribal and hilly areas of the country, and are provided regular training on residential and non-residential basis, as per the approved norms of the Schemes.

Further, the Khelo India Scheme of the Ministry has the twin objectives of mass participation and promotion of excellence in sports. Various programmes have been launched under this Scheme to promote sports and improve the level of sports and infrastructural facilities, including stadiums, playing fields, tracks and sports training in the country. So far, 29 centres in 28 States/UTs are being supported under the Scheme as Khelo India State Centres of Excellence along with 523 Khelo India Centres. Further, 09 Sports Schools and 28 Army Boys Sports Companies (ABSCs) are being supported across the country. A total of 264 Academies are accreditated for training of athletes identified under the Khelo India Scheme.

Under the component "Promotion of Inclusiveness through Sports" of Khelo India Scheme, the Ministry gives special emphasis to Promotion of Rural/ Indigenous and Tribal Games.

Indigenous games such as Mallakhamb, Kalaripayyattu, Gatka, Thang-Ta and Silambam are being supported under this component. Grants have been sanctioned for infrastructure development, equipment support, appointment of coaches, training of coaches and scholarships.

*****

भारत सरकार

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

(खेल विभाग)

राज्य सभा

तारांकित प्रश्न संख्या 198

उत्तर देने की तारीख 4 अगस्त, 2022

13 श्रावण, 1944 (शक)

भारतीय खेल प्राधिकरण की राष्ट्रीय कोचिंग योजना

198 श्री तिरुची शिवाः

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारतीय खेल प्राधिकरण विभिन्न खेलों में प्रशिक्षकों की संख्या बढ़ाने वाला है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) की राष्ट्रीय कोचिंग योजना के कार्यान्वयन से देश में विभिन्न खेल श्रेणियों में प्रशिक्षकों की संख्या में वृद्धि हुई है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में खेलों में छिपी प्रतिभाओं की पहचान करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/ उठाए जाने के लिए प्रस्तावित हैं?

उत्तर

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री

(श्री अनुराग सिंह ठाकुर)

(क) से (ङ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।

****

'भारतीय खेल प्राधिकरण की राष्ट्रीय कोचिंग योजना' के संबंध में श्री तिरुची शिवा **माननीय संसद सदस्य द्वारा दिनांक 04.08.2022 के लिए पूछे गए राज्य सभा तारांकित प्रश्न संख्या 198 के भाग (क) से (ड.) के उत्तर में संदर्भित विवरण।**

(क) और (ख): 'खेल' राज्य का विषय होने के कारण, कोचिंग और खेल अवसंरचना के निर्माण सहित खेलों के संवर्धन/विकास का उत्तरदायित्व मुख्य रूप से संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों की सरकारों का होता है । केंद्र सरकार अपनी विभिन्न स्कीमों अर्थात खेलो इंडिया स्कीम और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) द्वारा संचालित खेल संवर्धन स्कीमों के माध्यम से उनके प्रयासों की पूर्ति करती है ।

साई में कोचिंग संवर्ग में निर्धारित संस्वीकृत संख्या 1524 है । कोचों की नियुक्ति/भर्ती आवश्यकता के अनुसार खेल-वार की जाती है । वर्तमान में, साई में 966 कोच कार्यरत हैं और इसके अलावा विभिन्न खेल विधाओं में 319 कोचों को संविदा आधार पर तथा 101 कोचों को प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्त किया गया है ।

इसके अलावा, खेलो इंडिया स्कीम के खेलो इंडिया केंद्र (केआईसी) घटक के तहत 'पूर्व चैंपियन एथलीटों' को युवा और नवोदित एथलीटों के लिए कोचों और मेंटोर के रूप में नियुक्त किया गया है । वर्तमान में 102 पूर्व चैंपियन एथलीट देश भर में 91 खेलो इंडिया केंद्रों में नियुक्त किए गए हैं ।

(ग) और (घ): साई द्वारा ऐसी कोई स्कीम कार्यान्वित नहीं की जा रही है ।

(ड.) देश भर में कुल 23 साई केंद्रों को राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) के रूप में अपग्रेड किया गया है ताकि होनहार एथलीटों को ओलंपिक और अन्य अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए 13 प्राथमिकता वाली खेल विधाओं और 10 अतिरिक्त खेल विधाओं में अत्याधुनिक खेल अवसंरचना, खेल सुविधाएं, खेल विज्ञान बैकअप, वैयक्तिक आहार और सर्वश्रेष्ठ कोचों, योग्य सहायक स्टाफ तथा उच्च प्रदर्शन निदेशकों के तहत समग्र पर्यवेक्षण प्रदान करके विशेष प्रशिक्षण दिया जा सके । साई प्रशिक्षण केंद्र (एसटीसी) एनसीओई के लिए फीडर केंद्र के रूप में कार्य करते हैं ।

एनसीओई, एसटीसी, एसटीसी के विस्तार केंद्र, राष्ट्रीय खेल प्रतिभा प्रतियोगिता (एनएसटीसी) स्कीम आदि सहित कुल 189 केंद्र साई की खेल संवर्धन स्कीम के कार्यान्वयन के लिए कार्य कर रहे हैं ।

साई खेल संवर्धन स्कीमों के तहत अभिज्ञात खिलाड़ी देश के ग्रामीण, पिछड़े, जनजातीय और पहाड़ी क्षेत्रों सहित समाज के सभी वर्गों से आते हैं और उन्हें स्कीम के अनुमोदित मानदंडों के अनुसार आवासीय और गैर-आवासीय आधार पर नियमित प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

इसके अलावा, मंत्रालय की खेलो इंडिया स्कीम का युग्मित उद्देश्य खेलों में जन सहभागिता और उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है । इस स्कीम के तहत देश में खेलों को बढ़ावा देने और खेल के स्तर में सुधार करने तथा स्टेडियमों, खेल मैदानों, ट्रैक और खेल प्रशिक्षण सहित अवंरचना सुविधाओं में सुधार के लिए विभिन्न कार्यक्रम शुरू किए गए हैं । अब तक, 28 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में इस स्कीम के तहत 523 खेलो इंडिया केंद्रों सहित 29 केंद्रों को खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र के रूप में सहायता दी जा रही है । इसके अलावा, देश भर में 09 खेल विद्यालयों और 28 सेना बाल खेल कंपनियों (एबीएससी) को सहायता प्रदान की जा रही है । खेलो इंडिया स्कीम के तहत अभिज्ञात एथलीटों के प्रशिक्षण के लिए कुल 264 अकादमियों को मान्यता दी गई है ।

खेलो इंडिया स्कीम के "खेल के माध्यम से समावेशिता को बढ़ावा देना" घटक के तहत मंत्रालय ग्रामीण/देशज और जनजातीय खेलों को बढ़ावा देने पर विशेष जोर देता है । इस घटक के तहत मलखंब, कलारीपयाट्टू, गतका, थांग-टा और सिलंबम जैसे देशज खेलों का सहायता दी जा रही है । अवसंरचना विकास, उपकरण सहायता, कोचों की नियुक्ति, कोचों के प्रशिक्षण और छात्रवृत्ति के लिए अनुदान संस्वीकृत किए गए हैं ।

******

SHRI TIRUCHI SIVA: Sir, bring the House in order. ...*(Interruptions)*... I will ask my supplementary? ...*(Interruptions)*...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. VIJAYASAI REDDY): Do you have any supplementaries to ask? ...*(Interruptions)*... I am asking you: Do you have any supplementaries to ask? ...*(Interruptions)*... I will give an opportunity. ...*(Interruptions)*...

SHRI TIRUCHI SIVA: I am not able to hear anything. ...*(Interruptions)*...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. VIJAYASAI REDDY): If you are not availing the opportunity, then you will be losing your chance. ...*(Interruptions)*...

श्री राकेश सिन्हा : उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं आपकी प्रशंसा करता हूं कि आपने ऐसी परिस्थिति में भी हाउस को चलते रहने दिया और ...**(व्यवधान)**.. क्वेश्चन ऑवर चल रहा है।...**(व्यवधान)**..मेरा मंत्री जी से एक सवाल है कि देश में कितने...**(व्यवधान)**..साई सेंटर्स हैं? ...**(व्यवधान)**..प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में खेल के क्षेत्र में जो विकास हो रहा है, उसका साई से ...**(व्यवधान)**..मैं मंत्री जी से उसी से जुड़ा हुआ प्रश्न पूछना चाहता हूं। ...**(व्यवधान)**..बेगूसराय में, जहाँ बैडमिंटन की ...**(व्यवधान)**..अच्छी-खासी संख्या है।...**(व्यवधान)**..वहाँ प्रत्येक वर्ष मैच होते हैं। ...**(व्यवधान)**..वहाँ पर बड़ी संख्या में खिलाड़ी हैं। ...**(व्यवधान)**..क्या मंत्री जी वहाँ पर कोई साई सेंटर खोलने का विचार करेंगे?

श्री निसिथ प्रामाणिक : उपसभाध्यक्ष जी, पूरे देश में स्कीम्स निकली हुई हैं।...**(व्यवधान)**..इसके साथ-साथ 68...**(व्यवधान)**..एसटीसी भी हैं। माननीय सदस्य द्वारा जिस क्षेत्र के बारे में प्रश्न पूछा गया है कि बेगूसराय में साई के द्वारा बैडमिंटन के लिए कोई व्यवस्था की जाएगी या नहीं, तो मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को यह बताना चाहता हूं कि अगर हमारे पास राज्य के माध्यम से कोई प्रस्ताव आता है, तो हम उसके ऊपर बिलकुल विचार करते हैं।...**(व्यवधान)**..महोदय, समय-समय पर जैसा प्रस्ताव आता है...**(व्यवधान)**..उस पर निश्चित रूप से...**(व्यवधान)**..निश्चित समय पर विचार किया जाता है। ...**(व्यवधान)**..महोदय, आज जहाँ हमारे देश के खिलाड़ी, हमारे युवा वहाँ मेडल्स जीत रहे हैं, वहीं पर ये लोग यहाँ इस तरह के हालात पैदा करके पार्लियामेंट की प्रोडक्टिविटी को ...**(व्यवधान)**..खत्म कर रहे हैं। ...**(व्यवधान)**..मैं चाहूंगा कि सदन की कार्यवाही चले ...**(व्यवधान)**..जिस प्रकार से हमारे देश के युवा इंग्लैंड में, ...**(व्यवधान)**..जहाँ पर कॉमनवैल्थ गेम्स हो रहे हैं, ...**(व्यवधान)**..वहाँ पर हमारे युवा एक के बाद एक मेडल जीतते जा रहे हैं,...**(व्यवधान)**..एक के बाद एक अचीवमेंट हो रही है, इसलिए मैं समझता हूं कि ...**(व्यवधान)**..जब स्पोर्ट्स के विषय में चर्चा हो, तो ...**(व्यवधान)**.. एटलीस्ट उस समय सदन को चलने दें।...**(व्यवधान)**.. देश के युवा स्पोर्ट्स के बारे में सुनने के लिए हमसे अधिक अपेक्षा रखते हैं,

...(**व्यवधान**).. इसलिए मुझे लगता है कि जब स्पोर्ट्स के बारे में चर्चा होती है, एटलीस्ट तब सदन को चलने देना चाहिए।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. VIJAYASAI REDDY): Shri Abdul Wahab. ...*(Interruptions)*... Dr. M. Thambidurai ...*(Interruptions)*...

Dr. M. THAMBIDURAI: Mr. Vice-Chairman, Sir, the Minister in his statement has mentioned that Sports is a State subject and, for development of sports activities, States have to come forward. ...*(Interruptions)*.. Yesterday also, our Sports Minister...*(Interruptions)*.. THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. VIJAYASAI REDDY): Hon. LoP. ...*(Interruptions)*.. You please carry on, Dr. Thambidurai.

DR. M. THAMBIDURAI: Yesterday, our Sports Minister explained everything as to what are the schemes they are giving from the Central Government. ...*(Interruptions)*.. At the same time, our Members had raised that the first allocation by the Central Government is less. ...*(Interruptions)*.. The State Governments cannot spend all the money..(Interruptions).. Therefore, the Central Government should come forward to guide the State Governments...(Interruptions)... to promote sports activities. ...*(Interruptions)*..

श्री निसिथ प्रामाणिक : महोदय, माननीय वरिष्ठ सांसद ने जो प्रश्न पूछा है, वह मूल प्रश्न से थोड़ा अलग है, लेकिन मैं यह कहना चाहूंगा कि जिस तरह से पूरे देश में ही खेल चक्र में प्रगति हो रही है, ...(**व्यवधान**)...उसमें कई स्टेट्स केन्द्र के साथ-साथ अपना जो खेल चक्र इन्फ्रास्ट्रक्चर है, उसमें डेवलपमेंट करने का प्रयास करती हैं। बहुत सारी स्टेट्स में खेल की बहुत अच्छी व्यवस्था भी की गई है।...(**व्यवधान**)... जिस तरह से ओडिशा में हॉकी के खेल में डेवलपमेंट आया है, जिस तरह से केरल से लेकर पंजाब और हरियाणा में भी खेल चक्र में रेसलिंग में और बैडमिंटन में डेवलपमेंट आया है, ...(**व्यवधान**)...मुझे लगता है कि बाकी स्टेट्स को भी अपनी स्टेट में जो बेस्ट टैलेंट है, उसको आगे लाना चाहिए। भारत के युवा अभी बढ़-चढ़ कर खेलों में हिस्सा ले रहे हैं।...(**व्यवधान**)...माननीय प्रधान मंत्री जी के मार्गदर्शन पर अभी भारत एक युवा शक्ति के रूप में उभर कर ऊपर आया है और एक स्पोर्टिंग नेशन के रूप में पूरे विश्व पटल पर उभर कर ऊपर आया है।...(**व्यवधान**)...मुझे लगता है कि हर एक राज्य के युवा इसमें बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेना चाहते हैं। हमें लगता है कि केन्द्र के साथ सभी राज्यों को आगे आना चाहिए और खेल के क्षेत्र में एक अच्छा रेवोल्यूशन लाना चाहिए। ...(**व्यवधान**)...

महोदय, मैं इसके साथ-साथ यह भी कहना चाहूंगा कि जिस तरह से बर्मिंघम में हमारे देश के खिलाड़ी, हमारे देश के नौजवान, हमारे ऐथलीट एक के बाद एक मेडल्स जीत रहे हैं, मुझे लगता है कि सदन के जो वरिष्ठ सदस्य हैं, इनको खेल क्षेत्र के बारे में सुनने के लिए देश की पूरी युवा आबादी बैठी है।...(**व्यवधान**)...उन लोगों को खेल क्षेत्र के बारे में, स्पोर्ट्स की चर्चा के विषय में

सुनने देना चाहिए।...(**व्यवधान**)...जिस तरह से ये लोग पार्लियामेंट की प्रोडक्टिविटी को खत्म कर रहे हैं, मुझे लगता है कि न तो इनकी स्पोर्ट्स में कोई रुचि है, न ये लोग चाहते हैं कि देश के युवा आगे बढ़ें।...(**व्यवधान**)...इनको अपने मतलब से मतलब है। आज आप देखिये, चाहे ओलम्पिक हो, चाहे पैरालंपिक हो, चाहे किसी भी प्रकार की खेल एक्टिविटी हो, भारत के खिलाड़ी देश के नाम को विश्व पटल पर ऊंचा ला रहे हैं।...(**व्यवधान**)... भारत के खिलाड़ी, चाहे वह टोक्यो हो या वह बर्मिंघम हो, वहां एक के बाद एक मेडल जीतकर देश का नाम ऊंचा कर रहे हैं। हम लोगों को लगता है कि खेल के प्रति जब भी इस सदन में चर्चा हो ...(**व्यवधान**)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. VIJAYASAI REDDY): Mantri*ji*, please be brief.

श्री निसिथ प्रामाणिक : तब सभी को राजनीति से ऊपर उठकर उस चर्चा में शामिल होना चाहिए।...(**व्यवधान**)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. VIJAYASAI REDDY): आप लोग सदन की कार्यवाही में बाधा डाल रहे हैं। यह तरीका ठीक नहीं है। Please go back to your seats. I request you, please go to your respective seats.

डा. अनिल जैन: माननीय मंत्री जी से मेरा सवाल है कि हमने टेनिस में एक नेशनल सेंटर ऑफ एक्सिलेंस दिल्ली में स्थापित किया है...(**व्यवधान**)...और हम इस प्रकार के देश के हर कोने में पांच नेशनल सेंटर ऑफ एक्सिलेंस शुरू कर रहे हैं। इन नेशनल सेंटर ऑफ एक्सिलेंस में ...(**व्यवधान**)...मेरा माननीय मंत्री जी से निवेदन है कि साई की तर्ज पर इन सेंटर्स को मान्यता देकर इनमें अलग से इन्फ्रास्ट्रक्चर, ट्रेनिंग और टूर्नामेंट्स के लिए प्रावधान किये जायें, ऐसा आपसे निवेदन है। क्या इसकी कोई व्यवस्था हो सकती है? ...(**व्यवधान**)...

श्री निसिथ प्रामाणिक : महोदय, माननीय प्रधान मंत्री जी के मार्गदर्शन में ...(**व्यवधान**)... माननीय प्रधान मंत्री जी का जो विज़न है, वह यह है कि कैसे न्यू इंडिया को स्पोर्टिंग इंडिया में बदला जाए।...(**व्यवधान**)... माननीय खेल मंत्री, श्री अनुराग जी की वरिष्ठ ...(**व्यवधान**)... माननीय मंत्री जी, माननीय प्रधान मंत्री जी के सपने को साकार करने के लिए दिन-रात बहुत निष्ठा के साथ परिश्रम कर रहे हैं।...(**व्यवधान**)... महोदय, इसमें टेबल टेनिस, टेनिस से लेकर जो हर एक ईवेंट ऑफ स्पोर्ट्स है, उसको बढ़ावा देने के लिए काम कर रहे हैं।...(**व्यवधान**)... इसके लिए टेनिस के जो बहुत सारे इंस्टीट्यूशंस हैं, उनकी तरफ से भी बहुत सारे प्रपोज़ल्स आ चुके हैं।...(**व्यवधान**)... इसके लिए अगर कोई प्रपोज़ल आएगा, तो निश्चित रूप से उस पर निश्चित समय में विचार भी किया जाएगा। ...(**व्यवधान**)... महोदय मैं यह बोलना चाहूंगा कि आज का जो मूल विषय है, वह साई में कोचेज़ के रिक्रूटमेंट को लेकर है। ...(**व्यवधान**)... मैं इसके बारे में बोलना चाहूंगा कि खिलाड़ियों के कोचेज़ को हम गुरु मानते हैं। ...(**व्यवधान**)... खिलाड़ी की जो अचीवमेंट होती है, उसके पीछे एक कोच का हाथ रहता है। ...(**व्यवधान**)... भारत की परम्परा हमेशा गुरु वंदना करने

की रही है। ...(**व्यवधान**)... भारत का जो कल्चर है, भारत की जो दृष्टि है, उसमें हमेशा गुरु का सम्मान किया जाता है, गुरु की पूजा की जाती है। ...(**व्यवधान**)... हमारे यहां कहा गया है-

"गुरु ब्रह्मा गुरु विष्णु गुरु देवो महेश्वराः ।
गुरु साक्षात परम ब्रह्मा तस्मै श्री गुरुवे नमः ।। "

इसी वाणी को मान्यता देते हुए, माननीय प्रधान मंत्री जी के मार्गदर्शन में 2020 में द्रोणाचार्य अवार्ड की राशि को 5,00,000 से बढ़ा कर 15,00,000 कर दिया गया है। ...(**व्यवधान**)... इससे पता चलता है कि माननीय प्रधान मंत्री जी का क्या विज़न है और क्या लक्ष्य है और किस तरह से माननीय प्रधान मंत्री जी देश की प्रगति के लिए, खेलों की प्रगति के लिए काम कर रहे हैं।...(**व्यवधान**)... देश को विश्व पटल पर विश्व गुरु के रूप में पुनः स्थापित करने के लिए माननीय प्रधान मंत्री जी काम कर रहे हैं।

उपसभाध्यक्ष (श्री वि.विजयसाई रेड्डी) : प्रश्न संख्या 199.